भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 28 दिसंबर, 2025
जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय: (i) हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 दिसम्बर तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 01 जनवरी तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा रहने की संभावना है । इसके बाद कोहरे में कमी आ सकती है। मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से, अरुणाचल प्रदेश में 29 दिसम्बर तक और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा में 01 जनवरी तक रात/सुबह के समय घना कोहरा रहने की संभावना है।

(ii) उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर 28 और 29 दिसम्बर को और बिहार में 28 दिसम्बर को शीत दिवस की स्थिति बनने की बहुत संभावना है।

(iii) पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर 28-29 दिसम्बर तक और झारखंड में 28 दिसम्बर को शीत लहर की स्थिति बनने की बहुत संभावना है।

(iv) एक पश्चिमी विक्षोभ 30 दिसम्बर से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और 31 दिसम्बर से इसके आसपास के मैदानी इलाकों को प्रभावित करने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 28 दिसंबर 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ/कई हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) था; जम्मू विभाग, पश्चिमी मध्य प्रदेश और असम के कुछ स्थानों पर भी घना कोहरा था; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, मणिपुर और त्रिपुरा तथा बिहार के कुछ स्थानों पर घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) देखा गया।
- मीटर में दृश्यता (≤200 मीटर) रिपोर्ट की गई: असम और मेघालय: तेजपुर 20, डिब्रूगढ़ 50, गुवाहाटी 150, ढुबरी 150; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: अगरतला 100; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: कूचबिहार, मलदा 100; ओडिशा: राउरकेला 70; बिहार: गया 50; जम्मू विभाग: जम्मू IAF 0; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर 50, सुंदरनगर 70; उत्तराखंड: रोशनाबाद 75; पंजाब: अमृतसर, आदमपुर, पठानकोट 0, लुधियाना 10, पटियाला 20; हरियाणा-चंडीगढ़: अंबाला 50, चंडीगढ़ 400; पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगरा IAF और सहारनपुर IAF 0, मेरठ 15, हमीरपुर 20, आगरा ताज और एटा 25, अलीगढ़ और मुज़फ्फरनगर 30, नजीबाबाद 80; पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज-IAF और कानपुर-IAF 0, प्रयागराज और फतेहपुर 10, कानपुर सिटी 30, बांदा 50, हरदोई 60, फतेहगढ़ 70, लखनऊ 150; पश्चिमी मध्य प्रदेश: ग्वालियर 0; दिल्ली: सफदरजंग 100 मीटर
- उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर शीत दिवस से लेकर बहुत शीत दिवस की स्थिति देखी गई; उत्तराखंड और बिहार के कुछ स्थानों पर शीत दिवस की स्थिति थी।
- हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड और मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर शीत लहर की स्थिति देखी गई।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- एक पश्चिमी विक्षोभ मध्य त्रोपोस्पेरिक पश्चिमी हवाओं में एक ट्रफ के रूप में स्थित है, जिसकी धुरी समुद्र स्तर से 5.8 किमी ऊपर है और यह लगभग 60°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर में फैली हुई है।
- उपोष्णक उप-पश्चिमी जेट धारा की मुख्य हवाओं की गति लगभग 115 नॉट्स है, जो समुद्र स्तर से 12.6 किमी ऊपर उत्तर-पूर्वी भारत के ऊपर बनी हुई है।
- एक नया पश्चिमी विक्षोभ 30 दिसम्बर 2025 से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है।
- एक ट्रफ, पूर्वी हवाओं में, 10°N अक्षांश के दक्षिण में, 92°E देशांतर पर, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में, समुद्र स्तर से 1.5 किमी ऊपर स्थित है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगिट-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में 30 दिसम्बर से 2 जनवरी तक हल्की/मध्यम बारिश/हिमपात की व्यापक से लेकर अपेक्षाकृत व्यापक घटनाएं बहुत संभावना है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 30 दिसम्बर से 2 जनवरी तक हल्की/मध्यम बारिश/हिमपात की अलग-अलग घटनाएं संभावित हैं। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगिट-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में 28 और 29 दिसम्बर को हल्की/मध्यम बारिश/हिमपात की संभावना है।
- पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 31 दिसम्बर से 1 जनवरी तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 28 दिसम्बर से 31 दिसम्बर और 1 जनवरी तक आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली के साथ हवा की गति 30-40 किमी/घंटा तक बढ़ने की संभावना है। 28 दिसम्बर को राज्य में भारी बारिश की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- कश्मीर-लद्दाख-गिलगिट-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5°C से नीचे था; हिमाचल प्रदेश, उत्तर पंजाब के कुछ स्थानों पर भी न्यूनतम तापमान 5°C से नीचे था; दक्षिण पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तर राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर विदर्भ, और उत्तर छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5°-10°C के बीच था।
- न्यूनतम तापमान में कुछ स्थानों पर मध्य प्रदेश के केंद्रीय हिस्सों, विदर्भ, और पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना और आंतरिक कर्नाटका के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी नीचे (-5.0°C से -3.1°C) गिरावट थी। (संदर्भ के लिए **ANNEXURE IV** देखें)
- भारत के मैदानों में हिसार (हरियाणा) में 2.5°C के साथ सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- अगले अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है, और अगले 3 दिनों में 2-4°C की धीरे-धीरे वृद्धि होने की संभावना है, उसके बाद तापमान में लगभग 2°C की गिरावट आएगी।
- अगले 24 घंटों के दौरान केंद्रीय और पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है, और इसके बाद अगले 2-3 दिनों में 2-3°C की धीरे-धीरे वृद्धि होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान देश के अन्य हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- हिमाचल प्रदेश में 31 दिसम्बर तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा रहने की संभावना है; पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 दिसम्बर तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी तक घना कोहरा रहेगा, इसके बाद कोहरे में कमी आएगी।
- मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से, अरुणाचल प्रदेश में 29 दिसम्बर तक और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा में 1 जनवरी तक रात/सुबह के समय घना कोहरा रहने की संभावना है।
- 28 और 29 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में, 28 दिसम्बर को बिहार में, और 31 दिसम्बर से 1 जनवरी 2026 तक हिमाचल प्रदेश में शीत दिवस की स्थिति बनने की बहुत संभावना है।

- ❖ 28 से 29 दिसम्बर के दौरान पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में और 28 दिसम्बर को झारखंड में शीत लहर की स्थिति बनने की संभावना है।

- ❖ **मछुआरों की चेतावनी:**

  मछुआरों को 28 दिसम्बर को निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने की सलाह नहीं दी जाती है:

  बंगाल की खाड़ी: 28 दिसम्बर को दक्षिण अंडमान सागर में।

दिल्ली/एनसीआर में 28-31 दिसंबर 2025 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	28- Dec	29- Dec	30- Dec	31- Dec	1- Jan	2- Jan	3- Jan
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	SCT	FWS	SCT	ISOL	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

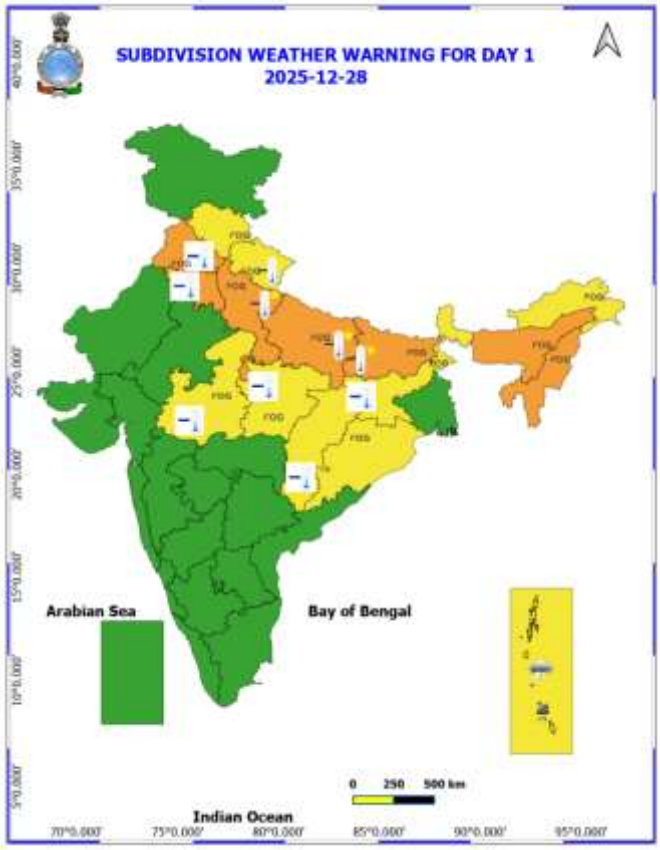
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-12-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

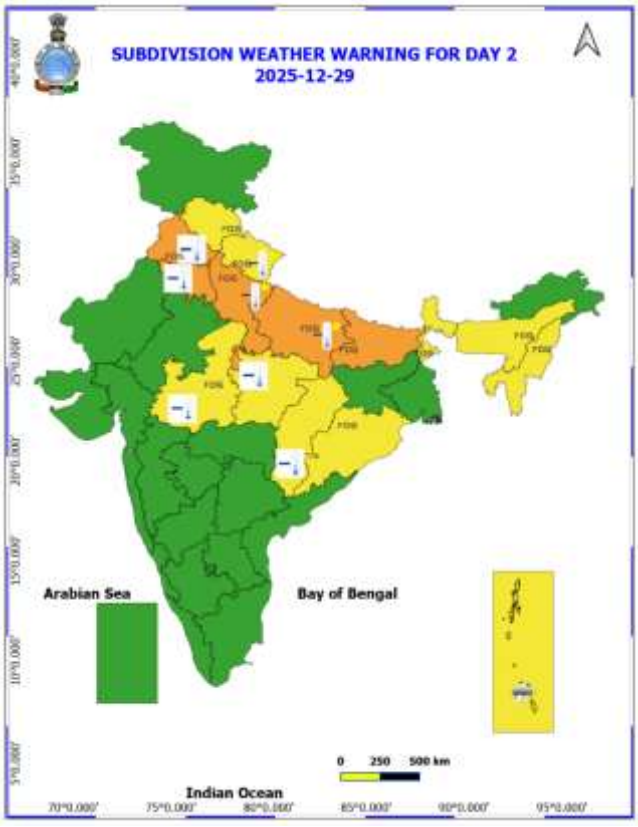
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-12-29
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

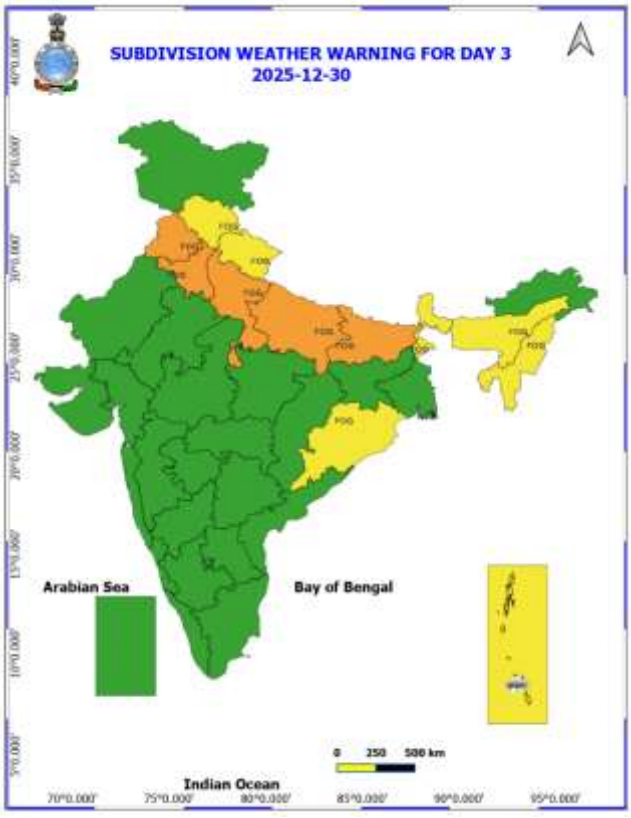
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-12-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

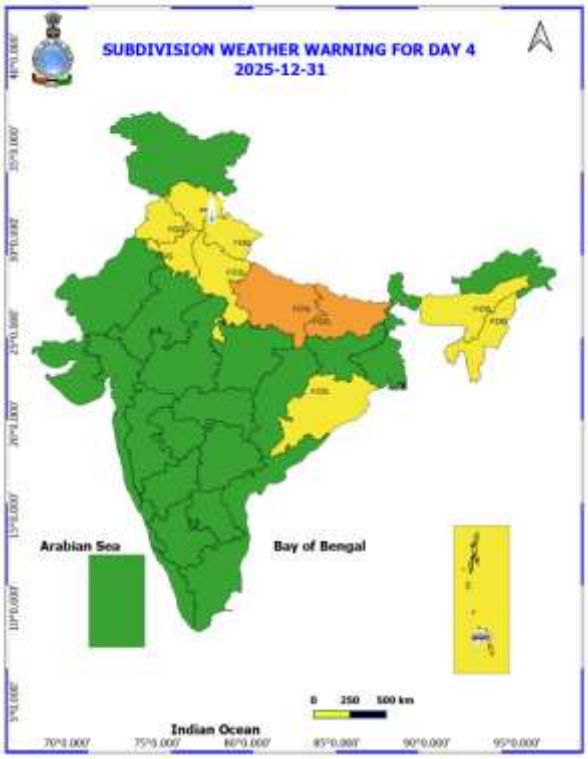

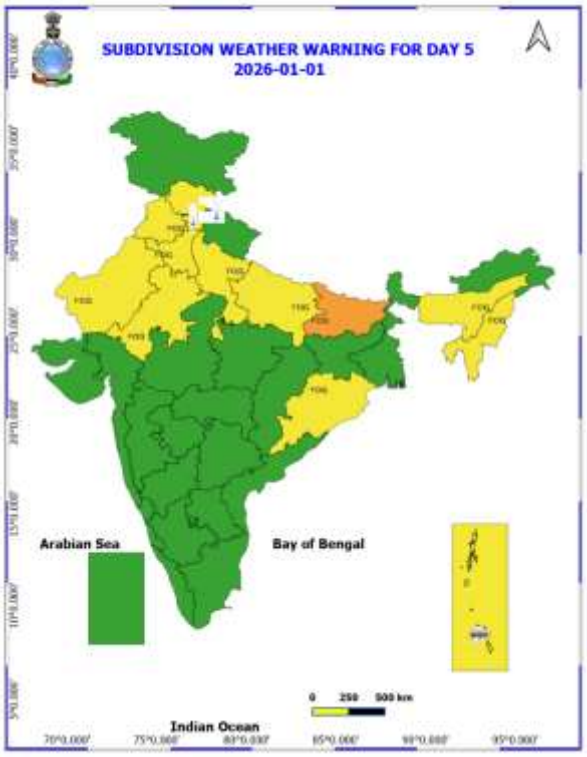

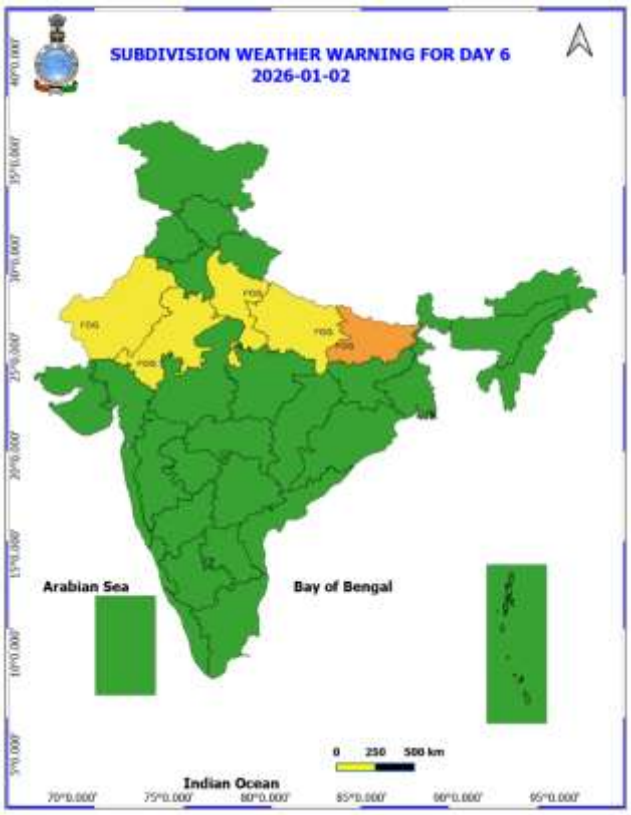

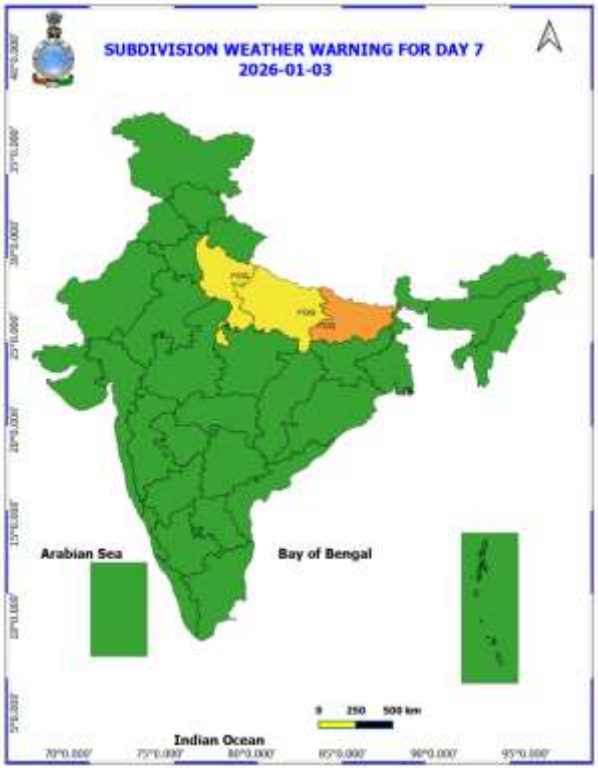

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

यहां दिल्ली/एनसीआर का 28 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान है:

पिछला मौसम:
पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1°C की गिरावट आई है, जबकि अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 20°C से 22°C और न्यूनतम तापमान 06°C से 09°C के बीच था। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास था (-1.5°C से 1.5°C), जबकि अधिकतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था, और दिल्ली के कुछ स्थानों पर यह सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) था। सफदरजंग ने आज 28.12.2025 को 0800 से 0830 IST के बीच न्यूनतम दृश्यता 100 मीटर रिपोर्ट की, जो बाद में 0900 IST तक 200 मीटर तक सुधरी। पालम ने 0430 से 0900 IST तक हल्की धुंध में 500 मीटर की न्यूनतम दृश्यता रिपोर्ट की, जो बाद में 0930 IST तक 600 मीटर तक सुधरी। पिछले 24 घंटों में आंशिक रूप से बादल और पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा की हवा के साथ मौसम स्थितियां थीं। आज सुबह के समय में, क्षेत्र में मुख्य रूप से स्पष्ट आकाश था, साथ ही मध्यम से घना कोहरा और हवा की गति 10 किमी/घंटा थी, जो दक्षिण-पश्चिम दिशा से चल रही थी।

मौसम पूर्वानुमान:

28.12.2025: मुख्य रूप से स्पष्ट आकाश रहेगा। रात में हल्का कोहरा/ह्यूम रहेगा। अधिकतम तापमान 21°C से 23°C के बीच रह सकता है, और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.0°C से 3.0°C) रहेगा। हवा की दिशा मुख्य रूप से उत्तरपश्चिम दिशा से होगी, और दोपहर के समय हवा की गति 15 किमी/घंटा से कम रहेगी। शाम और रात में हवा की गति उत्तर दिशा से 5 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

29.12.2025: मुख्य रूप से स्पष्ट आकाश रहेगा। सुबह के समय में कुछ स्थानों पर घना कोहरा, और कुछ स्थानों पर बहुत घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 21°C से 23°C और न्यूनतम तापमान 7°C से 9°C के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा (-0.5°C से -1.5°C), और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.0°C से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय हवा की दिशा पश्चिम से होगी, और हवा की गति 15 किमी/घंटा से कम रहेगी। दोपहर, शाम और रात में हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम से होगी।

30.12.2025: मुख्य रूप से स्पष्ट आकाश रहेगा। सुबह के समय में कई स्थानों पर मध्यम कोहरा, और कुछ स्थानों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 22°C से 24°C और न्यूनतम तापमान 7°C से 9°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा (-0.5°C से -1.5°C), और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (2.5°C से 3.5°C) रहेगा। सुबह के समय हवा की दिशा उत्तरपश्चिम से होगी, और हवा की गति 15 किमी/घंटा से कम रहेगी। दोपहर के बाद हवा की गति धीरे-धीरे 10 किमी/घंटा तक कम हो जाएगी।

31.12.2025: आंशिक रूप से बादल रहेगा। सुबह के समय कई स्थानों पर हल्का कोहरा और कुछ स्थानों पर मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 23°C से 25°C और न्यूनतम तापमान 7°C से 9°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा (-0.5°C से -1.5°C), और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (3.0°C से 4.0°C) रहेगा। सुबह के समय हवा की दिशा पश्चिम-उत्तरपश्चिम से होगी, और हवा की गति 5 किमी/घंटा से कम रहेगी। दोपहर के बाद हवा की गति धीरे-धीरे उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा तक बढ़ेगी, और शाम/रात के समय हवा की गति 5 किमी/घंटा से कम हो जाएगी।

अनुलग्नक IV

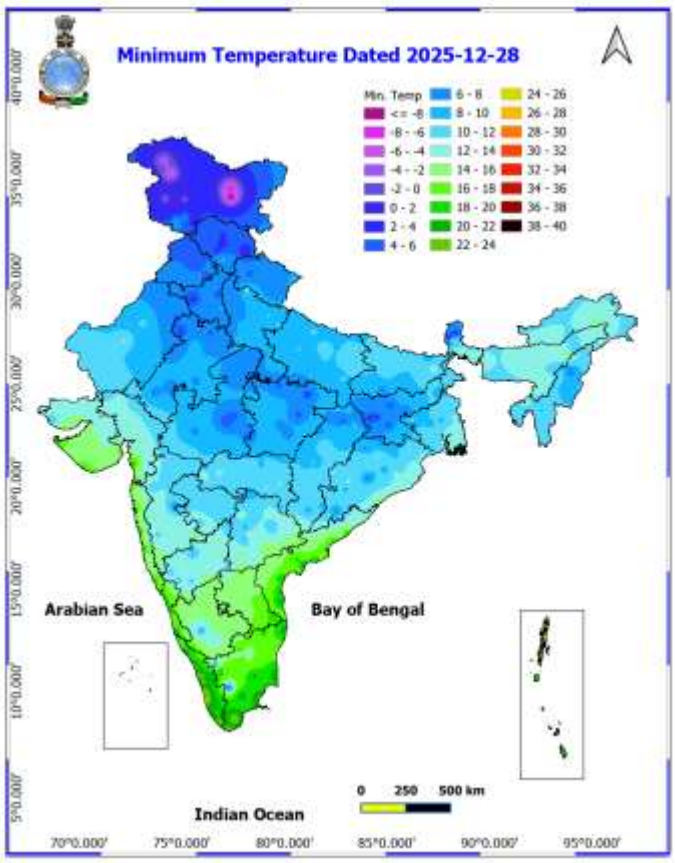

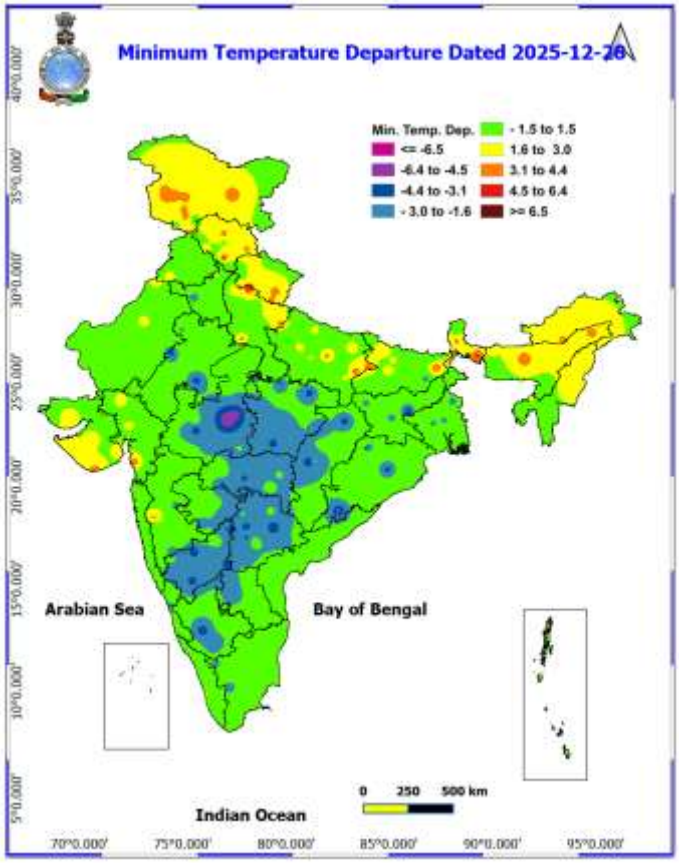

रात/सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ असम हिमाचल प्रदेश में 31 दिसम्बर तक रात/सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा रहने की संभावना है; पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 31 दिसम्बर तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 जनवरी तक घना कोहरा रहेगा ।
- ❖ मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से, अरुणाचल प्रदेश में 29 दिसम्बर तक और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा में 1 जनवरी तक रात/सुबह के समय घना कोहरा रहने की संभावना है।

❖ परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।

• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।

• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 28 से 29 दिसम्बर के दौरान पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में और 28 दिसम्बर को झारखंड में शीत लहर की स्थिति बनने की संभावना है।।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत दिवस की परिस्थितियों के कारण संभावित प्रभाव: 28 और 29 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में, 28 दिसम्बर को बिहार में, और 31 दिसम्बर से 1 जनवरी 2026 तक हिमाचल प्रदेश में शीत दिवस की स्थिति बनने की बहुत संभावना है।

- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- ❖ कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- ❖ लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- ❖ कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **पंजाब, हरियाणा. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़** और **झारखंड** में, खड़ी फसलों को निम्न तापमान के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। मृदा में पर्याप्त तापमान बनाए रखने के लिए मल्चिंग का प्रयोग करें और सब्जियों की नर्सरी और फलों के छोटे पौधों को पुआल या पॉलीथीन शीट से ढक दें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- ➢ रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिस्तर उपलब्ध कराएं।
- ➢ मुर्गी शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

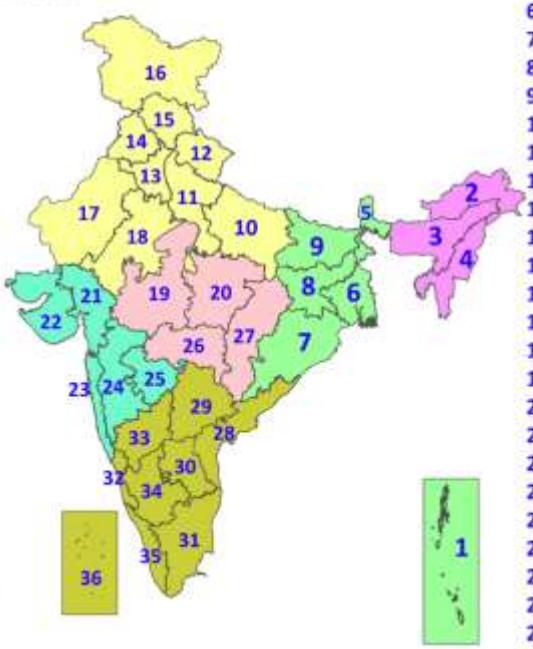

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)